मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि [एम. ए. (हिन्दी)]

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.डी.–19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) रोटी की महक जानती है

आग का स्वाद

और,

पहुँचती है नासिका रन्ध्र तक

हड्डियों के रस में डूबकर।

यदि, तुम्हें पहुँचना है

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

इस महक तक

अपने कापुरुष से कहो

भय छोड़कर बाहर आये

जैसे छत पर आती है धूप।

(ख) यदि यह विधान लागू हो जाता

कि तुम अस्पृश्य हो

तुम्हारी छाया भी अमंगल है,

हमारे शरीर, वायुमंडल और धरा के लिए।

इसलिए तुम्हें गले में लटका के हांडी

और कमर में बाँधकर झाड़ू

सड़कों पर चलने की राजाज्ञा हो

तुम्हारा वर्जित हो मंन्दिरों में प्रवेश

सार्वजनिक कुओं, तालाबों से लेना पानी

तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?

2. समकालीन दलित कविता के विकास का विश्लेषण कीजिए। 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. 'तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती' कविता में निहित अंबेडकर दर्शन के प्रमुख पक्षों पर प्रकाश डालिए। 10

4. हिन्दी दलित कहानी के विकास का विवेचन कीजिए। 10

5. 'परिवर्तन की बात' कहानी में अभिव्यक्त यातना की पहचान व मुक्ति चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

6. 'वैतरणी' कहानी की मूल–संवेदना का विश्लेषण कीजिए। 10

7. 'जूठन' में अभिव्यक्त अवमानना एवं बहिष्कार के दंश को स्पष्ट कीजिए। 10

8. 'लटकी हुई शर्त' की कथावस्तु की मूल–संवेदना पर प्रकाश डालिए। 10

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com